Ashtalakshmi stotram - *अष्ट लक्ष्मी स्तोत्रम्*

सुमनसवंदित सुंदरि माधवि चंद्र सहोदरि हेममये

मुनिगण मंडित मोक्षप्रदायिनि मंजुल भाषिणि वेदनुते

पंकजवासिनि देवसुपूजित सगुणवर्षिणि शांतियुते

जयजय हे मधुसूदन कामिनि आदिलक्ष्मी सदा पालयमाम ।

अयिकलि कल्मष नाशिनि कामिनि वैदिक रूपिणि वेदमये

क्षीरसमुद्भव मंगळ रूपिणि मंत्रनिवासिनि मंत्रनुते

मंगळदायिनि अंबुजवासिनि देवगणाश्रित पादयुगे

जयजय हे मधुसूदन कामिनि धान्यलक्ष्मी सद पालयमाम्।

जय वरवर्णिनि वैष्णवि भार्गवि मंत्र स्वरूपिणि मंत्रमते

सुरगण पूजित श्रीघ्रफल प्रद ज्ञानविकासिनि शास्त्रनुते

भवभयहारिणि पापविमोचनि साधुजनाश्रित पादयुते

जयजय हे मधुसूदन कामिनि धैर्यलक्ष्मी सदा पालयमाम्।

जयजय दुर्गति नाशिनि कामिनि सर्वफलप्रद शास्त्रमये

रथगज तुरगपदादि समावृत परिजन मंडित लोकनुते

हरि हरब्रह्म सुपूजित सेवित ताप निवारिणि पादयुर्ते

जयजय हे मधुसूदन कामिनि गजलक्ष्मी सदा पालयमाम्।

अयि खगवाहिनि मोहिनि चक्रिणि रागविवर्धिनि ज्ञानमये

गुणगणवारिधि लोकहितैषिणि स्वरसप्त भूषित गाननुते

सकल सुराऽसुर देवमुनीश्वर मानव वंदित पादयुते

जयजय हे मधुसूदन कामिनि संतानलक्ष्मी पालयमाम्।

जयकमलासनि सद्गति दायिनि ज्ञानविकासिनि गानमये

अनुदिन मर्चित कुंकुम धूसर भूषित वासित वाद्यनुते

कनकधारास्तुति वैभव वंदित शंकर देशिक मान्यप्रदे

जयजय हे मधुसूदन कामिनि विजलक्ष्मी सदा पालयमाम्।

प्रणत सुरेश्वरि भारति भार्गवि शोकविनाशिनि रत्नमये

मणिमय भूषित कर्णविभूषण शांति समावृत हास्यमुखे

नवनिधि दायिनि कलिमलहारिणि कामित फलप्रद हस्तयुते

जयजय हे मधुसूदन कामिनि विद्यालक्ष्मी पालयमाम् ।

धिमि धिमि धिंधिमि धिं धिमि- धिं धिमि दुंदुभि नाद सुपूर्णमन

घुं घुं घुम घुम घुं घुम घुं घुम शंखनिनाद सुवाद्यनुते ।

वेदपुराणेतिहास सुपूजित वैदिकमार्ग प्रदर्शयुते

जयजय हे मधुसूदन कामिनि धनलक्ष्मी सदा पालयमाम्॥